पाठ - भगवान के डाकिए

प्रश्न और उत्तर **Questions Answers**

प्रश्न 1. कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोचकर लिखिए।

प्रश्न 3. इन पंक्तियों का क्या भाव है-
(क) पक्षी और बादल प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश को भेजते हैं।

(ख) प्रकृति देश-देश में भेदभाव नहीं करती। एक देश से उठा बादल दूसरे देश में बरस जाता है।

प्रश्न 4. पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

प्रश्न 5. "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है"- कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

पाठ से आगे

प्रश्न 1. पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

प्रश्न 2. आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इंटरनेट है। पक्षी और बादल की चिट्ठियों की तुलना इंटरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए।

प्रश्न 3. 'हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका' क्या है? इस विषय पर दस वाक्य लिखिए।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. डाकिया, इंटरनेट के वर्ल्ड वाइड वेब (डब्ल्यू, डब्ल्यू, डब्ल्यू, **www)** तथा पक्षी और बादल-इन तीनों संवादवाहकों के विषय में अपनी कल्पना से एक लेख तैयार कीजिए। लेख लिखने के लिए आप 'चिट्ठियों की अनूठी दुनिया' पाठ का सहयोग ले सकते हैं।

अतिरिक्त प्रश्न उत्तर **(Extra Question Answers)**

प्रश्न 1. भगवान के डाकिए किन्हें कहा गया है?

प्रश्न 2. 'भगवान के डाकिए' के आधार पर पेड़, पौधे, पानी, पहाड़ तथा मनुष्य में परम्परा से हटकर क्या विरोधाभास दिखाया गया है?

प्रश्न 3. प्रकृति के विभिन्न अंग-पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ आदि ही भगवान की चिट्ठियों को क्यों पढ़ पाते हैं?

प्रश्न 4. भगवान के डाकिए और परंपरागत डाकियों से किस प्रकार भिन्न है?

प्रश्न 5. कविता में प्रकृति के विभिन्न अंगों द्वारा क्या-क्या मानवीय क्रियाकलाप करते हुए दिखाया गया है?

प्रश्न **6.** भगवान के डाकिए कविता से आपको क्या संदेश मिलता है**?**

प्रश्न **7.** पक्षी और बादल, ये भगवान के डाकिए हैं, जो एक महादेश से दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

प्रश्न **8.** हम तो केवल यह आँकत हैं कि एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए पक्षियों की पाँखों पर तिरता है।
और एक देश का भाप दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है।
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।